



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]  
No. 10]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 15, 1988/पौष 25, 1909

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 15, 1988, PAUSA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1988

सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/सा० सू० 2/88

फा० सं० 600/2902-2903/87-प्रतिअदायगी:—सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रतिअदायगी नियमावली, 1971 (भारत के राजपत्र, असाधारण, दि० 25 अगस्त, 1971 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 52/फा० सं० 602/70-प्रा०अ०) के नियम 4 के साथ पठित नियम 3 के अधीन, केन्द्रीय सरकार दिनांक 30 मई, 1987 को इस मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/सा० सू०-9/87 में प्रकाशित सारणी में एतद् द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

उपक्रमांक 2903 के अन्तर्गत "टिप्पणी" के स्था पर निम्नलिखित "टिप्पणी" प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"टिप्पणी:—यदि निर्यातक संगत और निर्यात नीति के तहत शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-पत्र या आयात-निर्यात पास बुक योजना का लाभ उठाता है और उपरोक्त उपक्रमांक 2903 (क) के सामने विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार चमड़े के अपरों के निर्माण में प्रयोग करने हेतु "जिपें" और/अथवा "कृत्रिम फर लाइनिंग" और न कि अन्य कोई मद को निःशुल्क आयात करने की अनुमति दी जाती है, तब चमड़े के ऐसे अपरों पर प्रतिअदायगी की दरें निम्न प्रकार से होंगी:—

- (i) यदि शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-पत्र अथवा आयात-निर्यात पास बुक योजना के तहत केवल आयातित "जिपें" के प्रयोग की अनुमति दी जाती है तो

देय प्रतिअदायगी की दर पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 6.5% होगी।

- (ii) यदि शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-पत्र अथवा आयात-निर्यात पास बुक योजना के तहत केवल आयातित "कृत्रिम फर लाइनिंग" के प्रयोग की अनुमति दी जाती है तो देय प्रतिअदायगी की दर पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 6 प्रतिशत होगी।
- (iii) यदि शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-पत्र अथवा आयात-निर्यात पास बुक योजना के तहत आयातित "जिपो" तथा "कृत्रिम फर लाइनिंग" दोनों को प्रयोग की अनुमति दी जाती है, तो देय प्रतिअदायगी की दर पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 5.5% होगी।

कामेश्वरी सुब्रह्मणियन, अवर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 15th January, 1988

#### PUBLIC NOTICE No. DRAWBACK|PN-2|88

F. No. 600|2902-2903|87-DBK.—Under Rule 3 read with Rule 4 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No. 52|F. No. 692|2|70-DBK published in the Gazette of India (Extraordinary) dated the 25th August, 1971), the Central Government, hereby makes the following

amendments in the Table published in the Ministry's Public Notice No. DRAWBACK|PN-9|87 dated the 30th May, 1987 :—

For the "Note" under SS No. 2903, the following "Note" shall be substituted, namely :—

"Note : In case the exporter avails of the facility of the DEEC or Import-Export Pass Book Scheme vide relevant Import and Export Policy and is permitted to import 'Zips' and/or 'Artificial fur lining' duty free and not any other item, for use in the manufacture of leather uppers as specified against sub-serial No. 2903 (a) above, such leather uppers shall be allowed drawback at the following rates :—

- (i) In case only imported 'Zips' are permitted under the DEEC or Import-Export Pass Book Scheme, the drawback shall be payable at the rate of 6.5 % of f.o.b. value.
- (ii) In case only imported 'artificial fur lining' is permitted under the DEEC or Import-Export Pass Book Scheme, the drawback shall be payable at the rate of 6 per cent of f.o.b. value.
- (iii) In case both the imported 'Zips' and 'Artificial fur lining' are allowed under the DEEC or Import-Export Pass Book Scheme, the drawback shall be payable at the rate of 5.5% of f.o.b. value"

KAMESWARI SUBRAMANIAN, Under Secy.